राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–181/2026

फिजियोथेरेपिस्ट अपने पेशे की गरिमा बनाए रखें– राज्यपाल

पटना 13 सितम्बर, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर बिहार स्टेट फिजियोथेरापी एशोसिएशन द्वारा बाबू जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं शोध संस्थान, पटना में आयोजित ''राष्ट्रीय फिजियोथेरेपी सम्मेलन'' में भाग लिया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी एक महत्वपूर्ण, सम्मानित और गरिमापूर्ण चिकित्सा पेशा है। फिजियोथेरेपिस्ट लोगों को स्वस्थ होने, फिर से चलने–फिरने और सामान्य जीवन में लौटने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस पेशे की गरिमा को बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता से लोगों की सेवा करनी चाहिए।

राज्यपाल ने भारतीय सेना में फिजियोथेरेपी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए यह भरोसा बहुत महत्वपूर्ण होता है कि घायल होने पर उन्हें बेहतर इलाज और उसके बाद उचित पुनर्वास की सुविधा मिलेगी। यह भरोसा उनका मनोबल बढ़ाता है और उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती से अपना कर्तव्य निभाने की ताकत देता है।

उन्होंने कहा कि जीवन में जितना ऊँचा पद मिले, उतना ही विनम्र रहना चाहिए। जितना ऊपर जाएँ, उतना नीचे देखें और उतना ही झुकें। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अकेले अपने प्रयास से किसी पद तक नहीं पहुँचता। इसलिए पद का उद्देश्य देश और समाज की सेवा होना चाहिए।

राज्यपाल ने युवाओं से समस्याओं के समाधान के लिए संवाद बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि बातचीत से समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में ऊर्जा और नई सोच होती है तथा इन्हीं के सहारे वे समाज और देश को आगे ले जा सकते हैं।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में मौजूद युवा फिजियोथेरेपिस्टों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे अपने पेशे की गरिमा बनाए रखें और समर्पण के साथ समाज की सेवा करें।

कार्यक्रम को माननीय विधान पार्षद डॉ० वीरेन्द्र नारायण यादव व श्री जीवन कुमार तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ० संजय पासवान ने भी संबोधित किया।

.....